This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 3883

Unique Paper Code : 12051101

Name of the Paper : हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi (CBCS)

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

1. भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय दीजिये। 14

अथवा

आधुनिक काल में हिंदी की स्थिति को स्पष्ट कीजिये।

2. राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी के विकास को स्पष्ट कीजिये। 14

अथवा

हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय दीजिये।

3. लिपि की परिभाषा देते हुए, भाषा और लिपि का अंतर स्पष्ट कीजिये। 14

अथवा

लिपि का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिये।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

4. देवनागरी लिपि पर अन्य लिपियों के प्रभाव को रेखांकित कीजिये। 14

अथवा

देवनागरी लिपि और कंप्यूटर के अंत:संबंध पर विचार कीजिये।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 6+6+7

(क) पश्चिमी हिंदी की बोलियाँ

(ख) हिंदी का आरंभिक रूप

(ग) संचार भाषा

(घ) आदर्श लिपि

(ङ) हिंदी भाषा का क्षेत्र।

Scanned with CamScanner

(2)

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 3554

Unique Paper Code : 12051102

Name of the Paper : हिंदी कविता (आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य)

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi (CBCS)

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अमीर खुसरो का काव्य लौकिक एवं अलौकिक दोनों पक्षों को अभिव्यक्त करता है। स्पष्ट कीजिये।

अथवा

विद्यापति के काव्य-सौंदर्य की समीक्षा कीजिये। 12

2. कबीर के साहित्य की प्रासंगिकता पर विचार कीजिये।

अथवा

'मधुमालती' की काव्य भाषा पर विचार कीजिये। 12

3. सूरदास की विरह भावना पर प्रकाश डालिये।

अथवा

मीरा काव्य में स्त्री वेदना की विवेचना कीजिये। 12

P.T.O.

Scanned with CamScanner

4. तुलसी काव्य में राम के स्वरूप का वर्णन कीजिये।

अथवा

रामचरितमानस के आधार पर तुलसी की समन्वयवादी दृष्टि पर विचार कीजिये। 12

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिये : 8+7

(क) छाप-तिलक तज दीन्हीं रे, तोसे नैना मिला के।

प्रेम बटी का मदवा पिलाके

मतवारी कर दीन्हीं रे, मोसे नैना मिला के।

"खुसरो" निजाम पै बलि-बलि जइए,

मोहे सुहागन कीन्हीं रे, मोसे नैना मिला के।

अथवा

कबीर औगुँण ना गहैं, गुँण ही कौ लें बीनि।

घट घट महु के मधुप ज्यूँ, पर आत्म ले चीन्हि।।

वसुधा बन बहुँ भाँति है, फूल्यो फल्यौ अगाध।

मिष्ट सुबास कबीर गहि, विषम कहै किहि साथ।।

(ख) पग बाँध घूँघर्याँ णाच्यारी।।

लोग कह्या मीराँ बावरी, सासु कह्याँ कुलनासाँ री

विख रो प्यालो राणा भेज्याँ, पीवाँ मीराँ हाँसाँ री।

Scanned with CamScanner

तण मण वार्‌यॉं परि चरिणाम्‍ॉं दरसण अमरित प्यास्‍यॉं री।

मीरॉं रे प्रभु गिरधर नागर, थ्यारो थारो सरणॉं आस्‍यॉं री।।

अथवा

सुनि सुंदर बैन सुधारस-साने सयानी हैं जानकीं जानी भली।

तिरछे करि नैन, दै सैन, तिन्हैं समुझाइ कछू, मुसुकाइ चली।

तुलसी तेहि औसर सबै अवलोकति लोचनलाहु अली।

अनुराग-तड़ाग में भानु उदैं बिगसीं मनो मंजुल कंजकलीं।।

6. निम्नलिखित पद्यांशों में दिए गए निर्देश के अनुसार किन्हीं दो का रचना-कौशल विश्लेषित कीजिये : 2×6=12

(क) जहॉं-जहॉं पद-जुग धरई। तहिं-तहिं सरोरूह झरई

जहॉं-जहॉं झलकए अंग। तहिं-तहिं बिजुरि-तरंग।।

कि हेरलि अपरुब गोरि। पइठलि हिअ–मधि मोरि

जहॉं-जहॉं नयन-विकास। ततहिं कमल-प्रकास।।

(भाषा सौंदर्य)

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अथवा

महाई म्हाँ गोविन्द गुण गाणा।।

राजा रूठ्याँ नगरी त्यागाँ, हरि रूठ्याँ कठ जाणा।

राणो भेज्या विख रो प्यालो, चरणामृत पी जाणा।

काला नाग पिटारयाँ भेज्या, सालगराम पिछाणा।

मीरा गिरधर प्रेम दिवाँणी, साँवल्या वर पाणा।

(स्त्री वेदना)

(ख) ऊधो मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं।

हंस सुता की सुंदर कगरी, अरु कुंजनि की छांही।।

वै सुरभी वै बच्छ दोहनी, खरिक दुहावन जाहीं।

ग्वाल-बाल मिलि करत कुलाहल, नाचत गहि गहि बाहीं।।

(प्रकृति चित्रण)

अथवा

सिथिल स्नेह कहैं कौसिला सुमित्राजू सों,

मैं न लखी सौति, सखी! भंगिनी ज्यों सेई है

कहै मोहि भैया, कहौं—मैं न मैया, भरत की

बलैया लेहौं भैया, तेरी मैया कैकेई है।।

(पारिवारिक प्रेम)

Scanned with CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

JC

Sr. No. of Question Paper : 2501

Unique Paper Code : 12051301

Name of the Paper : Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadhunik Kaal)

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi CBCS

Semester : III

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आधुनिकता से क्या तात्पर्य है ? आधुनिक बोध का विवेचन कीजिए।

अथवा

नवजागरणकालीन चेतना के विभिन्न बिंन्दुओं का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए। (15)

2. हिंदी उपन्यास की विकास-यात्रा का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अथवा

शुक्लोत्तर हिंदी निबन्ध साहित्य पर प्रकाश डालिए। (15)

3. उत्तर छायावादी कविता की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

अथवा

नई कविता की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (15)

4. 'साठोत्तरी कविता अपने परिवेश और प्रवृत्तियों में पिछले साहित्य से जुड़े होने पर भी अपनी अलग पहचान बनाती दिखाई देती है' - इस परिप्रेक्ष्य में साठोत्तरी कविता की मूल प्रवृत्तियों का उद्घाटन कीजिए।

अथवा

हिंदी साहित्य में दलित-विमर्श के विभिन्न आयामों का परिचय दीजिए। (15)

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (8,7)

(क) नवजागरण एवं भारतेन्दु

(ख) आत्मकथा

(ग) प्रगतिवाद

(घ) नवगीत

Scanned with CamScanner

(9)

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2502 JC

Unique Paper Code : 12051302

Name of the Paper : हिन्दी कविता (आधुनिक काल-छायावाद तक)

Name of the Course : B.A. (II) हिन्दी CBCS

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) प्रियतम् तुम श्रुति-पथ से आये। (8)

तुम्हें हृदय में रख कर मैंने अधर-कपाट् लगाये।

मेरे हास-विलास! किन्तु क्या भाग्य तुम्हें रख पाये ?

दृष्टि मार्ग से निकल गये ये तुम रसमय मनभाये!

प्रियतम तुम श्रुति-पथ से आये।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अथवा

स्नेह-निर्झर बह गया है।

रेत ज्यों तन रह गया है।

आम की यह डाल जो सूखी दिखी,

कह रही है- "अब यहाँ पिक या शिखी

नहीं आते, पंक्ति में वह हूँ लिखी

नहीं जिसका अर्थ

जीवन दह गया है।"

(ख) 'हित-वचन नहीं तूने माना, मैत्री का मूल्य न पहचाना, (7)

तो ले, मैं भी अब जाता हूँ, अन्तिम संकल्प सुनाता हूँ।

याचना नहीं, अब रण होगा,

जीवन-जय या कि मरण होगा।

अथवा

यहीं कहीं पर बिखर गयी वह

भग्न विजय-माला-सी।

Scanned with CamScanner

उसके फूल यहाँ संचित हैं

यह स्मृति-शाला सी ।।

सहे वार पर वार अन्त तक

लड़ी वीर बाला-सी

आहुति-सी गिर चढ़ी चिता पर

चमक उठी ज्वाला-सी ।।

2. 'यशोधरा' को केन्द्र में रखते हुए मैथिलीशरण गुप्त की नारी-विषयक दृष्टि पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

'यशोधरा' की भाषागत् विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3. 'लहर' में व्यक्त जयशंकर प्रसाद के काव्य-सौन्दर्य का विवेचन कीजिए।

(12)

अथवा

'अरी वरुणा की शांत कछार' का प्रतिपाद्य लिखिए।

Scanned with CamScanner

4. पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के आधार पर निराला की काव्य-प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

'तोड़ती पत्थर' कविता की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

5. 'रश्मिरथी' के आधार पर कृष्ण-कर्ण संवाद का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं का वैशिष्ट्य स्पष्ट कीजिए।

6. दिए गए निर्देशों के आधार पर किन्हीं दो काव्यांशों का रचना-कौशल लिखिए: (6+6)

(क) सुधा-धार यह नीरस दिल की
मस्ती मगन तपस्वी की।
जीवन-ज्योति नष्ट नयनों की
सच्ची लगन मनस्वी की॥

Scanned with CamScanner

वीते हुए बालपन की यह

क्रीड़ा पूर्ण वाटिका है ।।

वही मचलना वही किलकना

हँसती हुई नाटिका है।। (वात्सल्य-वर्णन)

(ख) काट अन्ध-उर के बन्धन-स्तर

बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर,

कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर

जगमग जग कर दे।

नव गति, नव लय, ताल-छन्द नव,

नवल कण्ठ, नव जलद-मन्द्र रव;

नव नभ के नव विहग-वृन्द को

नव पर, नव स्वर दे! (भाव-सौन्दर्य)

(ग) वसुधा पर ओस बने बिखरे

हिमकन आँसू जो क्षोभ भरे

उषा बटोरती अरुण गात!

अब जागो जीवन के प्रभात!

Scanned with CamScanner

तम-नयनों की तारायें सब-

मुँद रही किरण दल में है अब,

चल रहा सुखद यह मलय वात!

अब जागो जीवन के प्रभात! (शिल्प-सौन्दर्य)

Scanned with CamScanner

(5)

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2503 JC

Unique Paper Code : 12051303

Name of the Paper : Hindi Kahani

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi CBCS

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों को लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र को मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कहानी के तत्वों के आधार पर 'उसने कहा था' कहानी की समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

'पूस की रात' कहानी के 'हल्कू' के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

2. 'तीसरी कसम' कहानी की मूल संवेदना का विश्लेषण कीजिए। (12)

अथवा

'वापसी' कहानी के माध्यम से समाज की किस समस्या को उठाया गया है - सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. 'पाजेब' कहानी के बालक 'आशुतोष' की चरित्रगत विशेषताएँ लिखिए। (12)

अथवा

"'परिन्दे' कहानी शिल्प की दृष्टि से बेजोड़ रचना है" - विश्लेषण कीजिए।

4. 'सिक्का बदल गया' कहानी की मूल संवेदना का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

'जंगल जातकम' कहानी की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (9×3=27)

(क) बोधा गाड़ी पर लेट गया भला। आप भी चढ़ जाओ। सुनिए

Scanned with CamScanner

तो, सूबेदारनी होरां को चिट्ठी लिखो तो मेरा मत्था टेकना लिख देना। और जब घर जाओ तो कह देना कि 'मुझसे जो उसने कहा था - वह मैंने कर दिया'। गाड़ियाँ चल पड़ी थीं। सूबेदार ने चढ़ते-चढ़ते लहना का हाथ पकड़कर कहा - 'तेने मेरे और बोधा के प्राण बचाए हैं। लिखना कैसा? साथ ही घर चलेंगे। अपनी सूबेदारनी को तू ही कह देना। उसने क्या कहा था? 'अब आप गाड़ी पर चढ़ जाओ। मैंने जो कुछ कहा वह लिख देना और कह भी देना।'

अथवा

दस बज चुके थे। मैंने देखा कि उस निर्मल धूप में सड़क के किनारे एक कपड़े पर छोटे जादूगर का रंगमंच सजा था। मोटर रोक कर उतर पड़ा। वहाँ बिल्ली रूठ रही थी। भालू मनाने चला था। ब्याह की तैयारी थी; यह सब होते हुए भी जादूगर की वाणी में वह प्रसन्नता की तरी नहीं थी। जब वह औरों को हँसाने की चेष्टा कर रहा था, तब जैसे स्वयं काँप जाता था। मानो उसके रोएँ रो रहे थे। मैं आश्चर्य से देख रहा था। खेल हो जाने पर पैसा बटोरकर उसने भीड़ में मुझे देखा। वह जैसे क्षणभर के लिए स्फूर्तिमान हो गया। मैंने उसकी पीठ थपथपाते हुए पूछा - 'आज तुम्हारा खेल जमा क्यों नहीं?'

P.T.O.

Scanned with CamScanner

(ख) दुल्हिनया पान खाती है, दूल्हा की पगड़ी में मुँह पोंछती है। ओ दुलहिनिया, तेगछिया गांव के बच्चों को याद रखना। लौटती बेर गुड़ का लड्डू लेती आइयो। लाख बरिस तेरा दूल्हा जिये ! कितने दिनों का हौंसला पूरा हुआ है हिरामन का, ऐसे कितने सपने देखे हैं उसने ! वह अपनी दुलहिन को लेकर लौट रहा है। हर गांव के बच्चे तालियाँ बजाकर गा रहे हैं। हर आँगन से झाँककर देख रही हैं औरतें। मर्द लोग पूछते हैं, 'कहाँ की गाड़ी है, कहाँ जाएगी ?' उसकी दुलहिन डोली का परदा थोड़ा सरकाकर देखती है। और भी कितने सपने—

अथवा

मिस्टर शामनाथ सिगरेट मुँह में रखे, फिर अधखुली आँखों से माँ की ओर देखने लगे, और माँ के कपड़ों की सोचने लगे। शामनाथ हर बात में तरतीब चाहते थे। घर का सब संचालन उनके अपने हाथ में था। खूँटियाँ कमरों में कहाँ लगाई जाएँ, बिस्तर कहाँ पर बिछे, किस रंग के पर्दे लगाएँ जाएँ, श्रीमती कौन-सी साड़ी पहने, मेज किस साइज की हो... शामनाथ को चिंता थी कि अगर चीफ का साक्षात माँ से हो गया, तो कहीं लज्जित नहीं होना पड़े। माँ को सिर से पाँव तक देखते हुए

Scanned with CamScanner

बोले- "तुम सफेद कमीज और सफेद सलवार पहन लो, माँ। पहन के आओ तो, जरा देखूँ।"

(ग) सिद्धेश्वरी की समझ में नहीं आ रहा था की क्या कहे। वह चाहती थी की सभी चीजें ठीक से पूछ ले। सभी चीजें ठीक से जान ले और दुनिया की हर चीज पर पहले की तरह धड़ल्ले से बात करे। पर उसकी हिम्मत नहीं होती थी। उसके दिल में ना जाने कैसा भय समाया हुआ था। अब मुंशीजी इस तरह चुपचाप दुबके हुए खा रहे थे, जैसे पिछले दो दिनों से मौन व्रत धारण कर रखा हो और उसको कहीं जाकर आज शाम को तोड़ने वाले हों।

अथवा

रमेश चौधरी के शब्दों में छिपी आंच को उसने महसूस कर लिया था। वह अभी तक सोनकर की मौत से उबर नहीं पाया था कि रमेश चौधरी के इस फैसले ने उसे पेशोपेश में डाल दिया था। सोनकर का चेहरा बार-बार उसकी आँखों में उतर रहा था। राकेश अपने भीतर उठने वाली बेचैनी को जितना दबाने की कोशिश कर रहा था, वह उतनी ही तीव्रता से बढ़ रही थी।

Scanned with CamScanner

वह फिर से कुर्सी पर बैठ गया था। मीनाक्षी का चेहरा उसे उद्वेलित कर रहा था। मीनाक्षी की [illegible] स्थिति की अपनी पीड़ा बन गई थी। उसने एक गहरी साँस ली और कुर्सी से उठकर खड़ा हो गया था।

Scanned with CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2882 **JC**

Unique Paper Code : 12051501

Name of the Paper : Pashchatya Kavyashastra
(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

औदात्य की परिभाषा देते हुए उसके मूलभूत तत्वों का विवेचन कीजिए।

2. कॉलरिज के कल्पना सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए। (12)

अथवा

P.T.O.

Scanned with CamScanner

'कविता व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति नहीं व्यक्तित्व से पलायन है।' -- इस कथन के संदर्भ में इलियट के निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

3. स्वच्छंदतावाद की प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

उत्तरसंरचनावाद का विश्लेषण कीजिए।

4. बिंब एवं प्रतीक की परिभाषा देते हुए काव्य में उनकी भूमिका स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

काव्य में फैंटेसी के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : (9+9+9=27)

(i) विरेचन सिद्धांत

(ii) परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा

(iii) कॉलरिज की काव्यभाषा विषयक मान्यता

(iv) संरचनावाद

(v) विसंगति और साहित्य

(vi) काव्य में विडंबना बोध

Scanned with CamScanner

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2909 JC

Unique Paper Code : 12051502

Name of the Paper : Hindi Naatak / Ekanki
(हिंदी नाटक/एकांकी)

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi CBCS

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए - (9×3=27)

(क) लरि बैदिक जैन डुबाई पुस्तक सारी।
करि कलह बुलाई जवनसैन पुनि भारी॥
तिन नासी बुद्धि बल विद्या धन बहु बारी।
छाई अब आलस-कुमति-कलह अँधियारी॥
भए अंध पंगु सब दीन-हीन बिलखाई।
हा हा! भारत दुर्दशा न देखी जाई॥

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अथवा

संतोष ने भी बड़ा काम किया। राजा-प्रजा सबको अपना चेला बना लिया। अब हिंदुओं को खाने मात्र से काम, देश से कुछ काम नहीं। राज न रहा, पेनसन ही सही। रोजगार न रहा, सूट ही सही। वह भी नहीं, तो घर ही का सही, 'संतोष परम सुख' रोटी ही को सराह-सराह के खाते हैं। उद्यम की ओर देखते ही नहीं। निरुद्यमता ने भी संतोष को बड़ी सहायता दी। इन दोनों को बहादुरी का मेडल जरूर मिले। व्यापार को इन्हीं ने मार गिराया।

(ख) प्रेम का नाम न लो। वह एक पीड़ा थी जो छूट गई। उसकी कसक भी धीरे-धीरे दूर हो जाएगी। राजा मैं तुम्हें प्यार नहीं करती। मैं तो दर्प से दीप्त तुम्हारी महत्वमयी पुरुष-मूर्ति की पुजारिन थी, जिसमें पृथ्वी पर अपने पैरों से खड़े रहने की दृढ़ता थी। इस स्वार्थ-मलिन कलुष से भरी मूर्ति से मेरा परिचय नहीं। अपने तेज की अग्नि में जो सब कुछ भस्म कर सकता हो, उसका दृढ़ता का आकाश के नक्षत्र कुछ बना-बिगाड़ नहीं सकते। तुम आशंका मात्र से दुर्बल-कंपित और भयभीत हो।

अथवा

राजनीति ? राजनीति ही मनुष्यों के लिए सब कुछ नहीं है। राजनीति के पीछे नीति से भी हाथ न धो बैठो, जिसका विश्व मानव के साथ व्यापक संबंध है। राजनीति की साधारण छलनाओं से सफलता प्राप्त करके क्षण-भर के लिए तुम अपने को चतुर

Scanned with CamScanner

समझने की भूल कर सकते हो, परंतु इस भीषण संसार में एक प्रेम करने वाले हृदय को खो देना, सबसे बड़ी हानि है, शकराज ! दो प्यार करने वाले हृदयों के बीच में स्वर्गीय ज्योति का निवास है।

(ग) यह हमारा सौभाग्य है कि हमें गांधी जी की बकरी मिल गई। कुछ मिलना कुछ खोना भी होता है। हम जितना खोने को तैयार रहते हैं उससे पता चलता है कि हम कितना पाना चाहते हैं। इस बकरी ने हमेशा दिया है। आपको आजादी दी, एकता दी, प्रेम दिया। आज भी बहुत कुछ देने को मुंतजिर है। पर आप लेना भूल गए हैं। क्योंकि आप देना भूल गए हैं।

अथवा

बेटा, बड़प्पन बाहर की वस्तु नहीं- बड़प्पन तो मन का होना चाहिए। और फिर बेटा, घृणा को घृणा से नहीं मिटाया जा सकता। बहू तभी पृथक होना चाहेगी जब उसे घृणा के बदले घृणा दी जाएगी। लेकिन यदि उसे घृणा के बदले स्नेह मिले तो उसकी सारी घृणा धुंधली पड़कर लुप्त हो जाएगी। और महानता भी बेटा, किसी से मनवाई नहीं जा सकती, अपने व्यवहार से अनुभव कराई जा सकती है। ठूंठ वृक्ष आकाश को छूने पर भी अपनी महानता का सिक्का हमारे दिलों पर उस समय तक नहीं बैठा सकता, जब तक अपनी शाखाओं में वह ऐसे पत्ते नहीं लाता, जिनकी शीतल-सुखद छाया मन के सारे ताप को हर ले और जिसके फूलों की भीनी-भीनी सुगंध हमारे प्राणों में पुलक भर दे।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

2. 'भारत-दुर्दशा' नाटक में चित्रित 'भारत दुर्देव' और 'सत्यानाश फौजदार' की चारित्रिक विशेषताएँ को स्पष्ट करें। (12)

अथवा

'भारत दुर्दशा' नाटक की प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए।

3. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में ध्रुवस्वामिनी और कोमा के माध्यम से स्त्री समस्याओं को उजागर किया गया है। इस कथन की समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की मूल-संवेदना स्पष्ट करें।

4. 'बकरी' नाटक के 'युवक' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। (12)

अथवा

'बकरी' नाटक में अभिव्यक्त व्यंग्य को स्पष्ट करते हुए इसके प्रतिपाद्य का विवेचन कीजिए।

5. 'स्ट्राइक' एकांकी मध्यवर्गीय समाज के पारिवारिक संबंधों में आए तनाव को अभिव्यक्त करती है- इस कथन की समीक्षा करें। (12)

अथवा

एकांकी के तत्वों के आधार पर 'दीपदान' की समीक्षा करें।

Scanned with CamScanner

(3)

This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper	: **2981**
Unique Paper Code	: **12057503**
Name of Paper	: **अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य**
Name of Course	: **B.A. (Hons.) : CBCS : DSE–I**
Semester	: **V**
Duration	: **3 hours**
Maximum Marks	: **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दलित विमर्श की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्त्री विमर्श के सन्दर्भ में भारतीय और पाश्चात्य अवधारणाओं को स्पष्ट कीजिए। 15

2. किन्हीं तीन अंशों की व्याख्या कीजिए: 10×3=30

(क) 'यह खोह-कन्दरा या अंध-कूप नहीं, जिसका दूसरा छोर होता नहीं हो। सुरंग का दूसरा छोर होता ही है। चाहे वह कितनी भी टेढ़ी-मेढ़ी और लम्बी क्यों न हो। जैसे कोई रात कितनी भी डरावनी, अंधेरी और लम्बी लगने वाली हो, अंततः उसका सवेरा तो होगा ही। कम से कम इस सुरंग में तुम्हें झाड़ झंखाड़ों, कांटे कंकड़ों, ठोकर लग सकने वाले

P. T. O.

Scanned with CamScanner

पत्थरों और ऊबड़-खाबड़पन का तो अहसास नहीं हो रहा है। बस, आजू-बाजू की टक्करों को हिम्मत से बर्दाश्त करते रहे। जब चल ही दिए हो तो यह सुरंग कहीं न कहीं तो तुम्हें पहुँचायेगी ही। और वही तुम्हारा गंतव्य व भवितव्य होगा। उस बिन्दु पर तुम्हें क्या करना है यह वक्त आने पर सोचना'— गोविंद गुरू के भीतर की चेतना ने उनके प्रश्नों की गुत्थी को सुलझाने का प्रयास किया।

अथवा

"मतलबपरस्त है, खुदगर्ज़ है, नाससमझ है, पढ़े-लिखे जाहिल हैं। औरत से हर शक्ल में सुख हासिल करना चाहते हैं, मगर बदले में देने वाला दिल नहीं रखते। पढ़ी-लिखी लड़कियों से डरते हैं। मैं तो कहता हूँ, कानून और औरतों की मदद इन दोगले मौलवियों और कनूनदां के जरिए नहीं होगी। औरत को खुद हदीस और कानून समझकर अपनी लड़ाई लड़नी पड़ेगी _ मेरे ऐसे खयालात हैं। इसलिए सरकार हो या आम आदमी, मुझसे कतराता है _ किसी सलाह-मशवरे के वक्त जाहिलों की फौज हर समाचार-पत्र में तस्वीर के संग छपी नजर आती है। नॉन-इशू को इशू बनाकर लोग लुत्फ लेते हैं।

(ख) तुम अपनी खातिर स्वतन्त्रता को समझ रहे हो अवश्य
लाजिम।
मगर करोड़ों ही आदि हिन्दू गुलामी से क्या जड़े रहेंगे?
जो चाहते हो कि शक्तिशाली हो एक दुनिया का देश
भारत।
तो रोटी-बेटी से फिर 'हरिहर' कहो तो कब तक फिरे
रहेंगे?

Scanned with CamScanner

अथवा

मन मेरे ! अब रेखा लांघो
आए तो आए
वह वन्य
छद्मधारी
अविचारी
काल खंडित कलंकित
ले जाए तो ले जाए मंदिर में ज्योतित
उजाले का प्राण करती
कंपित निर्धूम शिखा सी
यह अनिमेष लगन
कौन वहाँ आतुर है
किसे यहाँ देनी है
ऊँचा ललाट रखने को
अग्नि की परीक्षा वह

(ग) मतदान बंद होने के बाद मैं अपने पिता तथा माँ के साथ वापस घर आ रहा था, तो पिता जी ने मुझे बताया कि बाबा हरिहर दास ने उन्हें दो रुपया दिया, इसलिए उन्होंने 'रामराज' को वोट दे दिया। 'रामराज' का मतलब स्वामी करपात्री जी की 'रामराज्य परिषद' नामक पार्टी से था। यद्यपि मुझे राजनीति का कोई ज्ञान नहीं था किन्तु मेरा स्वाभाविक झुकाव कम्युनिस्ट पार्टी की तरफ था। विशेष तौर पर 'ललका झंडा मोटका डंडा' वाले अमिट प्रभाव के चलते, मुझे पिता जी के दो रुपए वाले प्रकरण से बहुत ग्लानि हुई, लेकिन उनसे कुछ कह नहीं पाया।

P. T. O.

Scanned with CamScanner

अथवा

एक बार मैं फिर सड़क के दूसरी ओर देखती हूँ। वहाँ खरीदारी का शोर है। सूरज खो गया शहर के उफनते फेनिल शोर-शराबे में और शाम— न्यूयॉर्क की शाम अभी तक पूरी तरह डूबी नहीं है। मैं स्तम्भित-सी अचानक सड़क पर नीले और लाल रंगों का छिड़काव देखने लगती हूँ। गोधूलि वेला और लाल बत्ती के जलते ही तेज रफ्तार से दौड़ती हुई गाड़ियों का रुकना और फिर थोड़ा दम लेकर अजाने निकलती हुई साँसों के साथ हवाओं का आँचल पकड़ क्षितिज की ओर दौड़ जाना, मुझे और अकेला कर जाता है। मेरे भीतर एक आदिम वेदना सिसक उठती है। आखिर इतना भी क्या गुस्सा कि यों बीच बाजार में मुझे अकेला छोड़ डॉक्टर साहब चले गए। मैं वापस होटल भी नहीं लौट सकती, सारे पैसे तो उनके पास जो थे।

3. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए:

(क) 'धूणी तपे तीर' आदिवासी शहादत की घटना पर केन्द्रित उपन्यास है। इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

(ख) मुर्दहिया और दलित चेतना

(ग) पितृसत्ता

(घ) 'कितनी व्यथा' की मूल संवेदना

(ङ) 'सलाम' कहानी में अभिव्यक्त समाज

(च) संथाल क्रांति **अथवा** पलामू विद्रोह। 10×3=30

Scanned with CamScanner

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 2982

Unique Paper Code : 12057504

Name of the Paper : भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi-CBCS : DSE-I

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'नाटक रंगमंच के लिए लिखा जाता है।' इस कथन पर विचार प्रकट कीजिए। 15

अथवा

नाटक के प्रमुख तत्त्वों पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।

2. रंगकर्म में पार्श्व-कर्म की महत्ता स्पष्ट करते हुए इसके प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिए। 15

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में भरत मुनि के रस सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

3. कामदी से आप क्या समझते हैं ? त्रासदी से इसकी भिन्नता को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए।

4. उपरूपक की परिभाषा देते हुए इसके प्रमुख भेदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 15

अथवा

टेलीफिल्म से आप क्या समझते हैं ? इसकी विधागत विशिष्टता के विषय में विस्तार से लिखिए।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 7.5+7.5=15

(क) रेडियो नाटक

(ख) नाटक में श्रव्य तत्त्व

(ग) नुक्कड़ नाटक

(घ) धारावाहिक

(ङ) मेलोड्रामा।

Scanned with CamScanner

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 2983

Unique Paper Code : 12057505

Name of the Paper : भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक अवधारणा

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi CBCS DSE-II

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र को मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भाषा, संस्कृति और साहित्य की परिभाषा देते हुए उनके अंत:संबंधों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भारत की भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का अवलोकन कीजिए। 12

2. लौकिक संस्कृत साहित्य का स्वरूप बताते हुए उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

प्राचीन तमिल साहित्य का परिचय दीजिए। 12

P.T.O.

Scanned with CamScanner

3. आधुनिकता पूर्व पंजाबी, मराठी पद्य साहित्य का विवेचन कीजिए।

अथवा

उड़िया साहित्य के योगदान पर लेख लिखिए। 12

4. भारतीय साहित्य पर स्वाधीनता आंदोलन के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

अथवा

आधुनिक भारतीय साहित्य में नवजागरण एवं राष्ट्रीय आंदोलन की भूमिका का विवेचन कीजिए। 12

5. किन्हीं **तीन** विषयों पर टिप्पणी लिखिए : 3×9=27

(*i*) भारतीय साहित्य का सामाजिक रूप

(*ii*) उर्दू साहित्य

(*iii*) असमिया पद्य साहित्य

(*iv*) प्राकृत साहित्य

(*v*) स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य

(*vi*) अपभ्रंश साहित्य

(*vii*) भक्ति आंदोलन का महत्व।

Scanned with CamScanner

(11)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3145 J

Unique Paper Code : 12057502

Name of the Paper : हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi – CBCS-DSE-I

Semester : V

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. व्यंजन किसे कहते हैं ? हिंदी व्यंजनों का वर्गीकरण कीजिए।

अथवा

व्याकरण का अर्थ बताते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

(12)

P.T.O.

Scanned with CamScanner

2. शब्द को परिभाषित करते हुए रचना के आधार पर शब्द के भेद लिखिए।

अथवा

संज्ञा किसे कहते हैं ? उसके भेदों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए। (12)

3. अव्यय को परिभाषित करते हुए उसके भेद लिखिए।

अथवा

क्रिया किसे कहते हैं ? उसके प्रकारों का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए। (12)

4. वाक्य को परिभाषित करते हुए रचना के आधार पर वाक्य के भेद लिखिए।

अथवा

वाक्य के अंगों पर प्रकाश डालिए। (12)

5. (क) किन्हीं चार शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए : (2)

महाकवी, परीभाषित, साशन, पददलीत, व्यवहरिक, कुटील, तकदिर, चरचित

Scanned with CamScanner

(ख) 'आवट' और 'आलु' प्रत्यय से बनने वाले दो दो शब्द लिखिए। (2)

(ग) किन्हीं चार शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए : (2)

वीरांगना, अधिकांश, पुष्पांजलि, प्राणायाम, वृक्षारोपण, सदानन्द, न्यायधीश, भोजनालय

(घ) किन्हीं चार का विग्रह करके समास बताइए : (2)

अकालपीड़ित, गिरिधर, अपना-पराया, आजीवन, तिरंगा, अल्पज्ञ, डाक-गाड़ी, दशानन

(ङ) किन्हीं चार का रूप परिवर्तन करके भाववाचक संज्ञा बनाइए : (2)

इंसान, चोर, अपना, अच्छा, बच्चा, काटना, ऊपर, कटु

(च) वाक्य शुद्ध करके लिखिए : (2)

(i) पुस्तक मेज पर रखा है।

(ii) वह लोग कहां रहता है ?

(iii) मेरे तो यहां अनेकों लोग परिचित हैं।

(iv) मैंने खाना खाने जाना है।

Scanned with CamScanner

6. टिप्पणी लिखिए : (8,7)

(क) स्वर के भेद

अथवा

स्वर और व्यंजन

(ख) विराम-चिह्न

अथवा

अन्विति

(2000)

Scanned with CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3148 J

Unique Paper Code : 12057505

Name of the Paper : भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi-CBCS-DSE II

Semester : V

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतीय साहित्य के सामासिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

भाषा, संस्कृति और साहित्य का अंतःसंबंध स्पष्ट कीजिए।

2. वैदिक और लौकिक संस्कृत साहित्य के स्वरूप पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

P.T.O.

Scanned with CamScanner

पालि एवं प्राकृत साहित्य का परिचय देते हुए उसके योगदान की चर्चा कीजिए।

3. गुजराती साहित्य के योगदान पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

आधुनिकता-पूर्व हिंदी-इतर भारतीय साहित्य पर विचार कीजिए।

4. स्वाधीनता आन्दोलन का तत्कालीन हिंदी-साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा ? सविस्तार वर्णन कीजिए। (12)

अथवा

भारतीय साहित्य के प्रमुख आंदोलनों की चर्चा करते हुए उनके साहित्य पर प्रभाव की विवेचना कीजिए।

5. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए - (9×3=27)

(i) आधुनिकता पूर्व तमिल साहित्य

(ii) अपभ्रंश साहित्य

(iii) उर्दू साहित्य

(iv) नवजागरण

(v) मराठी साहित्य

(vi) भक्ति आंदोलन

(vii) बाँग्ला पद्य साहित्य

(1000)

Scanned with CamScanner

(13)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2693 **JC**

Unique Paper Code : 12053303

Name of the Paper : सोशल मीडिया

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi CBCS (SEC)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सोशल मीडिया के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए।

अथवा

भाषा, समाज और संस्कृति पर सोशल मीडिया के प्रभाव का विवेचन कीजिये। (12)

2. जन-आंदोलनों के प्रसार में सोशल मीडिया की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालिए।

अथवा

P.T.O.

Scanned with CamScanner

'जन-भागीदारी और जन-जागरूकता को सोशल मीडिया के प्रयोग ने और ज्यादा सुगम बना दिया है' - इस कथन की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए। (12)

3. उपभोक्ता जागरूकता में सोशल मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

अथवा

बाज़ार की रणनीति को सोशल मीडिया ने किस प्रकार प्रभावित किया है, स्पष्ट कीजिए। (12)

4. बालमन पर सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

अथवा

सोशल मीडिया के प्रयोग ने युवाओं के दैनंदिन जीवन व्यवहार को किस प्रकार बदला है, विचार कीजिए। (12)

5. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

(क) सोशल मीडिया का प्रभाव

(ख) सोशल मीडिया और गवर्नेंस

(ग) व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के दौर में सोशल मीडिया

(घ) स्त्री-सशक्तिकरण में सोशल मीडिया की भूमिका

(ङ) ट्विटर और इन्स्टाग्राम (9+9+9=27)

Scanned with CamScanner

(P)

(This question paper contains 2 printed pages)

Your Roll No..............................

Sr. No. of Question Paper : 3459

Unique Paper Code : 12055103

Name of the Paper : Hindi Cinema Aur Uska Adhyayan

Name of the Course : B.A(H)/[illegible] HINDI---BAHHGEC02

Generic Elective---(GE) Credit : 6

Semester : 1

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. जनमाध्यम के रूप में सिनेमा और भारतीय परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

हिंदी सिनेमा के उद्भव और विकास की सारगर्भित-यात्रा पर प्रकाश डालिए । 14

2. सिनेमा के अध्ययन की विभिन्न दृष्टियों की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

हिंदी सिनेमा के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार की विवेचना कीजिए । 14

3. सिनेमा में कैमरा, लाइट और साउंड की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

सिनेमा में सेंसरबोर्ड की भूमिका व उपयोगिता पर प्रकाश डालिए । 14

Scanned with CamScanner

4. फिल्म-निर्माण में आइटम गीत व संगीत पर समीक्षात्मक लेख लिखिए ।

अथवा

'अछूत कन्या' अथवा 'अमर अकबर एंथनी' फिल्म की समीक्षा कीजिए । 15.

5. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

(क) हिंदी सिनेमा और कामेडी

(ख) गुलाबी गैंग और नारी चेतना

(ग) सिनेमा प्रसारण अधिनियम

(घ) क्षेत्रीय सिनेमा

(ङ) जनता की मांग और पसंद

~~(6,6,7)~~ (6,6,7)

Scanned with CamScanner

(15)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2798 JC

Unique Paper Code : 12055302

Name of the Paper : Bhasha Aur Samaj

Name of the Course : Hindi (Hons.) Generic Elective

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. भाषा और समाज एक दूसरे को कैसे प्रभावित करते हैं ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

भाषा-व्यवस्था एवं भाषा-व्यवहार का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनके पारस्परिक संबंध पर प्रकाश डालिए।

2. भाषा के महत्त्व को बताते हुए जातीयता के साथ उसके संबंध पर प्रकाश डालिए। (15)

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अथवा

द्विभाषिकता से क्या तात्पर्य है? उसके विभिन्न प्रकार लिखिए।

3. भाषा और जेण्डर से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

संस्कृति के सन्दर्भ में भाषायी अस्मिता का विश्लेषण कीजिए।

4. सर्वेक्षण किसे कहते हैं ? भाषा सर्वेक्षण के स्वरुप और प्रविधि पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

भाषा के नवीन प्रयोगों पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए : (8,7)

(क) भाषा का समाजशास्त्र

(ख) पिजिन और क्रियोल में अंतर

(ग) भाषा और वर्ग

(घ) भाषा नमूनों का विश्लेषण

Scanned with CamScanner

(1B)

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **3342**

Unique Paper Code : 62051102

Name of the Course : **B.A.(Programme) - CBCS**

Name of the Paper : Hindi-A

Semester : I

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3=30

(क) जांनि बूझि साचहिं तजैं, करैं झूठ सूँ नेह।
ताकी संगति राम जी, सुपिनैं ही जिनि देहु।।
जैसी मुष तैं नीकसै, तैसी चालै नाहिं।
मानिष नहीं ते स्वान गति, बांध्या जमपुर जाहिं।।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अथवा

मेरी भवबाधा हरौ, राधा नागरि सोय।
जा तन की झाईं परे, श्याम हरित दुति होय।।
फिरि फिरि चितु उत ही रहतु, टुटि लाज की लाव।
अंग-अंग-छवि-झौर मैं भयौ भौंर की नाव।।

(ख) नहीं ठिकाना कालिदास के
व्योम-प्रवाही गंगाजल का,
ढूँढ़ा बहुत परंतु लगा क्या
मेघदूत का पता कहीं पर,
कौन बताए वह छायामय
बरस पड़ा होगा न यहीं पर,
जाने दो, वह कवि-कल्पित था

अथवा

अद्वितीय हर एक है मनुष्य
औ' उसका अधिकार अद्वितीय होने का
छीनकर जो खुद को अद्वितीय कहते हैं
उनकी रचनाएँ हों या उनके हों विचार
पीड़ा के एक रसभीने अवलेह में लपेट कर
परसे जाते हैं तो उसे कला कहते हैं ।

Scanned with CamScanner

(ग) गरुड़ को दावा जैसे नाग के समूह पर दावा नागजूह पर सिंहसिरताज को।

दावा पुरहूत को पहारन के कुल पर दावा सबै पच्छिन के गोल पर बाज को।

भूषन अखंड नवखंड महिमंडल में तम पर दावा रबिकिरन समाज को

पूरब पछांह देस दच्छिन तें उत्तर लौं जहाँ पातसाही तहाँ दावा सिवराज को।

अथवा

हिमाद्रि तुंग शृंग से, प्रबुद्ध शुद्ध भारती।
स्वयंप्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती-
अमर्त्य वीर पुत्र हो दृढ़-प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पंथ है- बढ़े चलो -बढ़े चलो !

2. किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

(क) भूषण

अथवा

(ख) नागार्जुन

3. 'कबीर' की साखियों का सार लिखिए। 10

अथवा

भूषण के कवित्तों का प्रतिपाद्य लिखिए।

Scanned with CamScanner

4. 'बादल को घिरते देखा है' कविता में प्रकृति सौन्दर्य का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

'कला क्या है' कविता की मूल संवेदना बताइए।

5. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : 3×5=15

(क) रामभक्ति काव्य धारा

(ख) छायावाद

(ग) द्विवेदी युगीन साहित्य

(घ) रीतिकाल

(ङ) संपर्क भाषा के रूप में हिंदी

(च) खड़ीबोली

(छ) आदिकाल की विशेषताएँ

Scanned with CamScanner

[This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 3343

Unique Paper Code : 62051103 C

Name of the Paper : Hindi–'B'

Name of the Course : B.A. (Prog.) CBCS

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10+10+10=30

(क) सतगुर हम सूं रीझि कर, एक कह्या प्रसंग।

बरस्या बादल प्रेम का, भीजि गया सब अंग।।

अथवा

कृपासिंधु बोले मुसुकाई। सोइ करू जेहिं तव नाव न जाई।

बेगि आनु जल पाय पखारू। होत बिलंबु उतारहि पारू।।

जासु नाम सुमिरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।

सोइ कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

(ख) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाइ।

सौंह करै भौंहनु हँसै, दैन कहै नटि जाइ।।

अथवा

रूपनिधान सुजान लखें बिन औंखिन दीठि हि पीठि दई है।

ऊखिल ज्यौं खरकै पुतरीन मैं, सूल की मूल सलाक भई है।

ठौर कहूं न लहै ठहरानि को मूदें महा अकुलानिमई है।

बूड़त ज्यौं घनआनँद सोचि, दई बिधि ब्याधि असाधि नई है।

(ग) परिचय पूछ रहे हो मुझसे

कैसे परिचय दूँ इसका!

वही जान सकता है इसको,

माता का दिल है जिसका।।

अथवा

कोई न छायादार

पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;

Scanned with CamScanner

श्याम तन, भर बंधा यौवन,

नत नयन, प्रिय कर्म रत मन,

गुरु हथौड़ा हाथ,

करती बार-बार प्रहार :

सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।

2. तुलसी की भक्ति-भावना पर विचार कीजिए। 10

अथवा

कबीर के काव्य-सौंदर्य पर विचार कीजिए।

3. घनानंद के काव्य में निहित प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

4. सुभद्रा कुमारी चौहान **अथवा** सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का साहित्यिक परिचय लिखिए। 10

5. (क) निम्न में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 5

(अ) खड़ी बोली

(ब) हिंदी भाषा का उद्भव

P.T.O.

Scanned with CamScanner

श्याम तन, भर यंधा यौवन,

नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,

गुरु हथौड़ा हाथ,

करती बार-बार प्रहार :

सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।

2. तुलसी की भक्ति-भावना पर विचार कीजिए। 10

अथवा

कबीर के काव्य-सौंदर्य पर विचार कीजिए।

3. घनानंद के काव्य में निहित प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

4. सुभद्रा कुमारी चौहान **अथवा** सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का साहित्यिक परिचय लिखिए। 10

5. (क) निम्न में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 5

(अ) खड़ी बोली

(ब) हिंदी भाषा का उद्भव

Scanned with CamScanner

(ख) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 5×5=10

(अ) भारतेंदुयुगीन काव्य

(ब) रास काव्य की विशेषताएँ

(स) रीतिमुक्त काव्यधारा

(द) प्रभोगवाद।

Scanned with CamScanner

This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper	: **2406**
Unique Paper Code	: **62051312**
Name of Paper	: **HINDI - A**
Name of Course	: **B.A. (Prog.) CBCS**
Semester	: **III**
Duration	: **3 hours**
Maximum Marks	: **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. **निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग कीजिए:**

(क) किन्तु अदालत में पहुँचने की देर थी। पंडित अलोपीदीन इस अगाध वन के सिंह थे। अधिकारी वर्ग उनके भक्त, अमले उनके सेवक, वकील-मुख्तार उनके आज्ञापालक और अरदली, चपरासी तथा चौकीदार तो उनके बिना मोल के गुलाम थे। उनके देखते ही लोग चारों तरफ से दौड़े। सभी लोग विस्मित हो रहे थे। इसलिए नहीं कि अलोपीदीन ने क्यों यह कर्म किया बल्कि इसलिए कि वह कानून के पंजे में कैसे आए। ऐसा मनुष्य जिसके पास असाध्य साधन करने वाला धन और अनन्य वाचालता हो, वह क्यों कानून के पंजे में आए।

अथवा

उसने तो अपने किये का फल पा लिया, पर मैं समस्या का

P. T. O.

Scanned with CamScanner

समाधान नहीं पा सकी। इस बार की असफलता ने तो बस मुझे रुला ही दिया। अब तो इतनी हिम्मत भी नहीं रही कि एक बार फिर मध्यम वर्ग में अपना नेता उत्पन्न करके फिर से प्रयास करती। इन दो हत्याओं के भार से ही मेरी गर्दन टूटी जा रही थी, और हत्या का पाप ढोने की न इच्छा थी, न शक्ति ही।' और अपने सारे अहं को तिलांजलि देकर बहुत ही ईमानदारी से मैं कहती हूँ कि मेरा रोम-रोम महसूस कर रहा था कि कवि भरी सभा में शान के साथ जो नहला फटकार गया था, उस पर इक्का तो क्या, मैं दुग्गी भी न मार सकी। मैं हार गयी, बुरी तरह हार गयी।

(ख) दुःख के वर्ग में जो स्थान भय का है, वही स्थान आनंद-वर्ग में उत्साह का है। भय में हम प्रस्तुत कठिन स्थिति के नियम से विशेष रूप में दुखी और कभी-कभी उस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिये प्रयत्नवान भी होते हैं। उत्साह में हम आने वाली कठिन स्थिति के भीतर साहस के अवसर के निश्चय द्वारा प्रस्तुत कर्म-सुख की उमंग से अवश्य प्रयत्नवान होते हैं। उत्साह में कष्ट या हानि सहने की दृढ़ता के साथ-साथ कर्म में प्रवृत्ति होने के आनंद का योग रहता है। साहस पूर्ण आनंद की उमंग का नाम उत्साह है। कर्म-सौन्दर्य के उपासक ही सच्चे उत्साही कहलाते हैं।

अथवा

अभिषेक की बात चली, मन में अभिषेक हो गया और मन में राज के साथ राम का मुकुट प्रतिष्ठित हो गया। मन में प्रतिष्ठित हुआ, इसलिये राम ने राजकीय वेश उतारा,

Scanned with CamScanner

राजकीय रथ से उतरे, राजकीय भोग का परिहार किया, पर मुकुट तो लोगों के मन में था, कौशल्या के मातृ-स्नेह में था, वह कैसे उतरता, वह मस्तक पर विराजमान रहा और राम भीगे तो भीगे, मुकुट न भीगने पाये, इसकी चिन्ता बनी रही। 10×2

2. हिंदी कहानी के विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी निबंध के विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए। 12

3. कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'पुरस्कार' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

"'मलबे का मालिक' कहानी में विभाजन की त्रासदी को व्यक्त किया गया है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 12

4. 'उत्साह' निबंध का सार लिखिए।

अथवा

निबंध की कसौटी के आधार पर 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' की समीक्षा कीजिए। 12

5. 'अंधेर-नगरी' में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'घीसा' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। 12

6. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए:

P. T. O.

Scanned with CamScanner

(क) नयी कहानी

(ख) नाटककार जयशंकर प्रसाद। 7

Scanned with CamScanner

[This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

S. No. of Question Paper : 2407

Unique Paper Code : 62051313

Name of the Paper : Hindi-B

Name of the Course : B.A. (Prog.)

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। 12

अथवा

स्वतंत्रता पूर्व हिंदी नाटक की विकास-यात्रा का परिचय दीजिये।

2. 'गुंडा' कहानी की मूल संवेदना लिखिये। 12

अथवा

'बूढ़ी काकी' पाठ का कथ्य स्पष्ट कीजिए।

3. 'सदाचार का ताबीज़' पाठ का मूल विचार बताते हुए वर्तमान के सन्दर्भ में उसके महत्त्व का विश्लेषण कीजिए। 12

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अथवा

'मेले का ऊंट' पाठ के रचनात्मक उद्देश्य का विवेचन कीजिए।

4. 'अंधेर नगरी' में वर्णित समस्याओं के आधार पर नाटक की समीक्षा कीजिये। 12

अथवा

'बिबिया' में वर्णित सामाजिक समस्या का पाठ के आधार पर विश्लेषण कीजिए।

5. किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10,10

(क) "आधी रात जा चुकी थी, आकाश पर तारों के थाल सजे हुए थे और उन पर बैठे हुए देवगन स्वर्गीय पदार्थ सजा रहे थे, परन्तु उसमें किसी को वह परमानंद प्राप्त ना हो सकता था, जो बूढ़ी काकी को अपने समक्ष थाल देख-कर प्राप्त हुआ। रूपा ने कंठरुद्ध स्वर में कहा—काकी उठो भोजन कर लो मुझसे आज बड़ी भूल हुई, उसका बुरा ना मानना। परमात्मा से प्रार्थना कर दो कि वह मेरा अपराध क्षमा कर दें।

(ख) उधर फाटक से तिलंगे भीतर आने लगे थे। चेतसिंह ने खिड़की से उतरते हुए देखा कि बीसों तिलंगों की संगीनों में वह अविचलित होकर तलवार चला रहा है। नन्हकू के चट्टान सदृश शरीर से गैरिक की तरह रक्त की धारा बह रही है। गुंडे का एक-एक अंग कटकर वहीं गिरने लगा। वह काशी का गुंडा था।

Scanned with CamScanner

(ग) आज दिन तुम विलायती फिटिन और टमटम जोड़ियों पर चढ़कर निकलते हो, जिनकी कतार तुम मेले के द्वार पर मीलों तक छोड़ आये हो, तुम उन्हीं पर चढ़कर मारवाड़ से कलकत्ते नहीं पहुँचे थे। यह सब तुम्हारे साथ की जन्मी हुई है। तुम्हारे बाप पचास साल के भी ना होंगे इससे वह भी मुझे भली-भांति नहीं पहचानते। हाँ उनके भी बाप हों तो मुझे पहचानेंगे। मैंने ही उनको पीठ पर लाद-कर कलकत्ते तक पहुँचाया है।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिये : 7

(क) हिंदी उपन्यास का विकास

(ख) भारतेंदु मंडल का खड़ी बोली हिंदी के विकास में योगदान

(ग) फोर्ट विलियम कॉलेज का महत्व।

Scanned with CamScanner

(10)

This question paper contains 2 printed pages.

Your Roll No. _____

Sl. No. of Ques. Paper : 1823 JC

Unique Paper Code : 72052802

Name of Paper : हिन्दी भाषा और संप्रेषण
(MIL Communication)

Name of Course : Ability Enhancement
Compulsory Course – 1 (CBCS)

Semester : 1

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. संप्रेषण की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

संप्रेषण में आने वाली चुनौतियों का सविस्तार विवेचन कीजिए। 10

2. व्यावसायिक संप्रेषण के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

व्यावसायिक पत्र लेखन से क्या अभिप्राय है? व्यावसायिक पत्रों के आवश्यक अंगों का विवेचन कीजिए। 10

3. प्रभावी संप्रेषण के आवश्यक तत्वों का सविस्तार उल्लेख कीजिए। 10

P. T. O.

Scanned with CamScanner

अथवा

सफल सामूहिक चर्चा की आवश्यक शर्तों का वर्णन कीजिये। 10

4. अनुवाद को परिभाषित करते हुए अच्छे अनुवाद के गुण लिखिए। 10

अथवा

विश्लेषण का अर्थ बताते हुए इसके आवश्यक बिंदुओं पर प्रकाश डालिये। 10

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिये:

(क) भ्रामक संप्रेषण अथवा मौखिक संप्रेषण

(ख) वैयक्तिक संप्रेषण के प्रकार अथवा व्यावसायिक पत्र की विशेषतायें

(ग) सामाजिक संप्रेषण अथवा संप्रेषण बाधायें। 6,6,6

6. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए:

(क) सार लेखन के गुण अथवा संवाद लेखन

(ख) अनुवाद प्रक्रिया अथवा अध्याहार के प्रकार

(ग) गहन अध्ययन के उद्देश्य अथवा उसके कारण। 6,6,5

Scanned with CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages.]

(21)

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3270

Unique Paper Code : 72052803

Name of the Paper : हिंदी भाषा और संप्रेषण (MIL Communication)

Name of the Course : AECC

Semester : I

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. संप्रेषण के विभिन्न मॉडलों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अभाषिक संप्रेषण के स्वरूप पर विचार कीजिए। (10)

2. सामाजिक और व्यावसायिक संप्रेषण का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

अथवा

P.T.O.

Scanned with CamScanner

संप्रेषण के भ्रामक एवं प्रभावी रूपों में अंतर स्पष्ट कीजिए। (10)

3. संप्रेषण के मशीनी माध्यम के विविध रूपों पर विचार कीजिए।

अथवा

मौखिक संप्रेषण के विविध रूपों पर प्रकाश डालिए। (10)

4. 'कविता पठन' करते हुए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

अथवा

'दिल्ली की जहरीली हवा' विषय पर अनुच्छेद लिखिए। (10)

5. टिप्पणी लिखिए : (6+6+6)

(क) सोशल मीडिया अथवा ई-मेल

(ख) समाचार वाचन का स्वरूप अथवा संप्रेषण में इंटरनेट माध्यम की भूमिका

(ग) संप्रेषण में चुनौतियाँ अथवा विवरण

टिप्पणी लिखिए : (6+6+5)

(क) संप्रेषण की संभावनाएं अथवा सामूहिक चर्चा

(ख) संप्रेषण के गुण अथवा भ्रामक संप्रेषण

(ग) संलाप अथवा वॉइस ओवर

Scanned with CamScanner